



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 800]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 23, 1992/ पौष 2, 1914

No. 800] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 23, 1992/PAUSA 2, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विज्ञान मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 1992

(आय-कर)

का आ. 922 (अ)।— केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आय-कर नियम, 1962 का और मर्यादित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (बीसवा संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये 23 दिसम्बर, 1992 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम 1962 में—

(क) नियम, 28 में,—

(i) उपनियम (1) प्रारम्भिक प्रयोग में, "कर्मता में निम्न" शब्दों का जोड़ किया जाएगा;

(ii) उपनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम प्रस्तापित किया जाएगा, अर्थात्—

"(4) धारा 194छ की उपधारा (2) के अर्थों में प्रमाणपत्र के लिए किसी व्यक्ति द्वारा कोई आवेदन प्रस्तुत करने में 10 दिनों में किया जाएगा।"

(ख) नियम 28क के उपनियम (1) में 'नियम 28 के उपनियम (1) के अर्थों में कर्मता में निम्न किसी व्यक्ति द्वारा किए गए आवेदन पर धारा 197 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों के अनुसार नीचे विनिर्दिष्ट रीति में परिगणित कर या दंड पर कर को कटौती के लिए प्रमाणपत्र जारी करने संबंधी "शर्तों, कोटकों", एको और अक्षर के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"नियम 28 के उपनियम (1) के अर्थों में किसी व्यक्ति द्वारा किए गए आवेदन पर धारा 197 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार नीचे विनिर्दिष्ट रीति में परिगणित कर या दंड पर कर को कटौती के लिए प्रमाणपत्र जारी करने संबंधी"

(ग) नियम 29 के अतिरिक्त (1) में --

(i) प्रारम्भिक प्रकाश में 'निर्धारण अधिकारी' के साथ प्रारम्भ होना वाला और अर्थान्तर, शब्द के साथ समाप्त होने वाले शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् --

"निर्धारण अधिकारी,--

(1) धारा 194 के दूसरे पञ्चश्लोक के अधीन करानी में निम्न किन्हीं श्रेयस्वर धारक को

(ii) धारा 197 की उपधारा (1) के अधीन किन्हीं ऐसे श्रेयस्वर धारक को जो अनिवार्य है, यथास्थिति कर को कटौती किए बिना या प्रयुक्त दरी में निम्नतर दरी पर कर को कटौती करने के पश्चात् वाणिज्य का संदाय प्राधिकृत करने वाला प्रमाणपत्र नहीं दे सकेगा जब निम्नलिखित बातें पूरी हो जाती हैं, अर्थात् :--

(ii) खण्ड (क) के उपखण्ड (ii) में धारा 80 ब के उपबन्धों में अधीन कटौती के लिए प्रहित है। शब्दों, अक्षरों और अक्षर के स्थान पर "धारा 11 से 13 तक के उपबन्धों के अधीन कर से छूट प्राप्त है शब्द और एक शब्द जाएगा

(ब) परिशिष्ट II में --

(क) प्रस्ताव संख्या 13 में अमि नाम में "कम्यती से निम्न" शब्दों का लोप किया जाएगा ;

(ख) प्रस्ताव संख्या 13 ग के पश्चात् निम्नलिखित अमल स्थापित किया जाएगा, अर्थात् --

"प्रस्ताव सं. 13 घ"

[नियम 28 (4) देखिए]

ऐसे व्यक्ति को, जो वाटरी टिकटों का स्टॉक, वितरण, क्रय या बिक्री करते हैं, या करते रहते हैं, किए गए कमीशन धादि के संदायों में धाय पर को कटौती के संबंध में आधर अधिनियम 1961 की धारा 194 उ(2) के अधीन प्रमाणपत्र के लिए आवेदन :-

निर्धारण अधिकारी,

महोदय

मैं ----- जो

(नाम)

(पता)

का निवासो है, घोषणा करता हूँ कि निर्धारण वर्ष 19-----19,.... से मुसमल पूर्व वर्ष के लिए आय-कर अधिनियम, 1961 के उपबन्धों के अनुसार संगणित मेरी कुल आय (जिसके अधीन आय-कर अधिनियम, 1961 का धारा 194 ब से निर्दिष्ट प्रकृति के संदायों में सम-विष्ट आय सा है) आय-कर के वायिस्वाधान न्यूनतम से कम थी, और..... मुझे किना भी आधा-पर ऐसा प्रमाण नहीं है कि ठीक आतामो तब निर्धारण वर्षों की मेरी कुल आय (यथापूर्वित संगणित में पचीन बृद्धि होगी।

यह मैं निवेदन करता हूँ कि वाटरी टिकटों के क्रय पर कमीशन, पारिश्रमिक या पारितोषिक (चाहे किन्हीं भी नाम से जाना हो) के रूप में आय का संदाय करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति। (व्यक्तियों को) इस बात के लिए प्राधिकृत करने वाला प्रमाणपत्र जारी किया जाए कि वह ऐसी राशि को यथास्थिति भेरे जाने से जमा करने समय या वर्ष उसका संग्रह करने समय आय कर को कटौती न करे। ----- प्रतिज्ञा की है कि आय कर को कटौती करे।

3. मैं घोषणा करता हूँ कि इस आवेदन में जो कथन किए गए हैं वे सही हैं।

हस्ताक्षर

पता

तारीख

स्वाधीन खाना सं.

अनुसूची

क्रम सं. वाटरी टिकटों के क्रय पर कमीशन कर्मि/पारिश्रमिक/ पारिश्रमिक या पारितोषिक, पारितोषिक को रकम (चाहे किन्हीं भी नाम से जाना हो) का संदाय करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम और पता

तारीख

हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दोड़िए। "

(ग) प्रस्ताव सं. 15 में, --

(i) अमि नाम में "(ख)" काष्ठको और अक्षर का लोप किया जाएगा ,

(ii) टिप्पण प्रमाण में, मब सं. 2 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् --

"3 ऐसे व्यक्ति को दशा में, जो भारत में निवासी नहीं हैं, धारा 197(1) के अधीन जारी किए गए प्रमाणपत्रों के संबंध में ही लागू।"

(घ) प्रस्ताव संख्या 15क में अमि नाम में, "(क)" काष्ठको और अक्षर का लोप किया जाएगा ,

(ङ) प्रस्ताव सं. 24 को सारणी में, मद सं. 14, 15, और 24 का लोप किया जाएगा ,

(च) प्रस्ताव सं. 26 के स्तम्भ 7 में "(ख)" काष्ठको और अक्षर का लोप किया जाएगा ,

(छ) प्रस्ताव सं. 26 उ की सारणी में स्तम्भ 2 में मद सं. 6 में "(क)" काष्ठको और अक्षर का लोप किया जाएगा ;

(ज) प्रस्ताव सं. 27क में, धारा 194क(1) के पञ्चश्लोक के अधीन शब्द पत्र या कथन "शब्दों प्रकों, अक्षर और काष्ठको के स्थान पर, तथा प्रदा वे आते हैं, "धारा 197 क की उपधारा (1क) के अधीन कोई घोषणा" शब्द, काष्ठको, अक्षर और अक्षर रखा जाएगा।

[सं. 9150/का सं 112/84/92 टी पी एन]

बाई के बनरा, अवर सचिव (टीपीएन)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd December, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 922(E):—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twentieth Amendment) Rules, 1962.

(2) They shall come into force with effect from the 23rd day of December, 1992.

2. In the Income-tax Rules, 1962, —

(A) in rule 28,—

(i) in sub-rule (1), in the opening portion, the words “other than a company,” shall be omitted;

(ii) after sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(4) An application by a person for a certificate under sub-section (2) of section 194G shall be made in Form No. 13D.”

(B) in rule 28AA, in sub-rule (1), for the words, brackets, figures and letter, “other than a company, under sub-rule (1) of rule 28, may issue a certificate in accordance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of section 197”, the following shall be substituted, namely:—

“under sub-rule (1) of rule 28, may issue a certificate in accordance with the provisions of sub-section (1) of section 197”;

(C) In rule 29, in sub-rule (1),—

(i) in the opening portion, for the words beginning with “The Assessing Officer” and ending with the word “namely” the following shall be substituted, namely:—

“The Assessing Officer may give a certificate authorising the payment of a dividend —

(i) to a shareholder, other than a company, under the second proviso to section 194.

(ii) to a shareholder, being a non-resident, under sub-section (1) of section 197,

without deduction of tax, or, as the case may be, after deduction of tax at rates lower than the rates in force only if the following conditions are satisfied, namely:—

(ii) in sub-clause (ii) of clause (a), for the words, figures and letter “qualify for deduction under the provisions of section 80F”, the words and figures “are exempt from tax under the provisions of sections 11 to 13” shall be substituted;

(D) in Appendix II, —

(a) in Form No. 13, in the title, the words “other than a company” shall be omitted;

(b) after Form No. 13C, the following shall be inserted, namely:—

FORM NO. 13D

[See rule 28(4)]

Application for a certificate under section 194G(2) of the Income-tax Act, 1961, relating to deduction of income-tax, from payments of commission, etc., made to persons who are or have been stocking, distributing, purchasing or selling lottery tickets

To

The Assessing Officer,

Sir,

I, of do hereby—
(name) (address)

by declare that my total income (including income comprised in payments of the nature referred to in section 194G of the Income-tax Act, 1961; computed in accordance with the provisions of that Act for the previous year relevant to the assessment year 19... 19... *was less than the minimum liable to income-

tax amounte to Rs.

and I have no reason to expect that my total income (computed as aforesaid) for the three assessment years next following will increase substantially.

2. I, therefore, request that a certificate may be issued to the person(s) responsible for paying income by way of commission, remuneration or prize (by whatever name called) on the sale of lottery tickets, particulars of which are given in the Schedule hereto authorising him/them *not to deduct income tax

to deduct income tax at the rate of ... per cent

at the time of credit of such income to my account or, as the case may be payment thereof to me.

3. I hereby declare that what is stated in this application is correct.

.....
 Signature
 Date....
 Address

 Permanent Account Number

SCHEDULE

Sl. No.	Name and address of persons(s) responsible for paying commission, remuneration or prize (by whatever name called) on the sale of lottery tickets	Amount of *commission/remuneration/prize
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

Date.....
 Signature

* Score out whichever is not applicable

(c) in Form No. 15,—

(i) in the title, the brackets and letter “(b)” shall be omitted;

(ii) in the Notes portion, for item No 2. the following shall be substituted namely:—

“2. Applicable only in respect of certificates issued under section 197(1) in the case of person not being resident in India”;

(d) in Form No. 15AA, in the title, the brackets and letter “1(a)” shall be omitted;

(e) in Form No. 24, in the table, item nos. 14, 15 and 24 shall be omitted;

(f) in Form No. 26, in column 7, the brackets and letter “(b)” shall be omitted;

(g) in Form No. 26E, in the table below column 2, in item no. 6, brackets & letter “(a)” shall be omitted;

(h) in Form No. 27A, for the words, figures, letter and brackets “an affidavit or statement under the proviso to section 194A(1)”, wherever they occur, the words, brackets, figures and letter “a declaration under sub-section (1A) of section 197A” shall be substituted.

[No.9150/F.No.142/84/92TPL]

Y.K. BATRA, Under Secy. (TPL)